मूल्य – 5 रु.

तारांशु

मासिक
नवम्बर – 2018
वर्ष 7, अंक 2, पृ.सं. 20

दीपावली विशेषांक

दीप सजावट को निकली आनन्द वृद्धाश्रम वासी

आनन्द वृद्धाश्रम :

"आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना"

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

वृद्धजन सहयोगी "शांति"
रु. 1,00,000/-

वृद्धजन सहयोगी "शक्ति"
रु. 51,000/-

वृद्धजन सहयोगी "आस्था"
रु. 21,000/-

आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

तारा नेत्रालय :

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर

तारा संस्थान की इस नवीन योजना के अन्तर्गत स्कूलों में नेत्र जाँच शिविर लगाकर चेकअप कर, उन्हें मुफ्त में चश्मे दिए जाते हैं। यदि किसी बच्चे को Cataract का Diagnosis होता है तो उनका तारा नेत्रालय में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाता है।

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर सौजन्य
200 बच्चे - 15000 रु., 400 बच्चे - 30000 रु., 2000 बच्चे - 150000 रु.

उपर्युक्त राशि द्वारा बच्चों की नेत्र जाँच, निःशुल्क चश्मे एवं स्टेशनरी वितरण शामिल है।

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

श्री जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद्, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुल सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

फोटोग्राफी
अरविन्द शर्मा

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना / रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर	02
अनुक्रमणिका	03
लेख 1 : एक असमय विदाई	04-05
लेख 2 : सार्थक दीपावली	06
दीपावली विशेषांक : आनन्द वृद्धाश्रम में उत्सव - उल्लास	07-10
आनन्द वृद्धाश्रम : नए आवासी / तारा नेत्रालय, दिल्ली : विशेष ऑपरेशन	11
तारा नेत्रालय	12
गौरी योजना / तृप्ति योजना	13
दीपावली विशेषांक	14
न्यूज ब्रीफ	15
विनम्र अपील / नेत्र शिविर की झलक	16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर	17
धन्यवाद / अभिनन्दन / स्वागत सम्मान	18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (बाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' की सन्निधि में, साथ में संस्थान सचिव श्री दीपेश मित्तल (दाएं)

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

उद्घाटन समारोह में विराजमान श्रीमती रमन गौड़ (बाएँ से चौथी)

एक असमय विदाई

मार्च या अप्रैल, 2015 की बात है तारा संस्थान के फोन नम्बर पर ये सूचना आई कि इलाहाबाद में एक आंटी है वो अपना घर और समस्त सम्पत्ति तारा संस्थान को दान देना चाहती है। वे चाहती है कि उनके घर में एक वृद्धाश्रम चलाया जाये। कोई बिना जाने अपना सब कुछ तारा को कैसे दे देगा समझ में नहीं आ रहा था, लेकिन प्रयास ये रहता है कि दानदाता की भावना का सम्मान अवश्य हो सो बस श्रीमती रमन गौड़ आंटी से बात कर ली। बात बहुत आत्मीयता से हुई और उन्होंने ज़िद पकड़ ली कि तुम इलाहाबाद आओ मैं अच्छे काम के लिए अपना सब कुछ देना चाहती हूँ। घर और बच्चों को एकदम छोड़कर जाना मुमकिन नहीं होता है लेकिन उनकी ज़िद थी कि मैं ही उनसे मिलूं सो मई, 2015 में मैं और दीपेश जी इलाहाबाद पहुँचे। उनके घर गये, लगा ही नहीं पहली बार मिले हो, इतना प्यार, इतनी आत्मीयता मुझे नहीं समझ आता कि ईश्वर ने कब कहाँ कौन से रिश्ते जोड़ रखे होते हैं। पता चला कि उनके पति श्री रवीन्द्र नाथ गौड़ का स्वर्गवास कुछ साल पहले हो गया था और श्रीमती गौड़ जो अब इतनी सी देर में मेरी रमन आंटी बन गई थी, चाहती थी कि उनके पति की स्मृति में उनके घर में वृद्धाश्रम बने। उसके लिए वे अपनी चल–अचल संपत्ति पूरी तरह ''तारा संस्थान'' के नाम करना चाहती थी। रमन आंटी के बच्चे नहीं थे सो उनकी सोच थी कि उनके पति की स्मृति में एक अच्छा काम उनके हाथों हो जाए। रमन आंटी के सलाहकार थे श्री सत्यदेव जी गुप्ता जो कि उनके पति के मित्र थे और रमन आंटी उन पर पूरा विश्वास करती थी और उनसे राय करके ही वे सम्पति को दान कर रही थी। सत्यदेव जी को यह गलतफहमी थी कि नारायण सेवा संस्थान और तारा संस्थान एक ही है लेकिन जब मैं मिली और उन्हें बताया कि तकनीकी रूप से नारायण सेवा और तारा अलग हैं तो वे बोले कि हम तो एक ही समझ रहे थे। उन्हें मैंने समझाया भी कि आप कहें तो मैं अपने पापा आदरणीय कैलाश जी 'मानव' से बात करा देती हूँ नारायण सेवा विकलांगों के लिए कार्य कर रही है और तारा बुजुर्गों के लिए लेकिन दोनों के प्रेरणा स्रोत मेरे पापा ही हैं और सबसे बड़ी बात कि इलाहाबाद आने से पहले रमन आंटी को सब कुछ साफ–साफ बताया गया था लेकिन सत्यदेव जी मानने को तैयार ही नहीं थे। रमन आंटी दुविधा में फंस गई उनका मन था कि वे तारा के नाम विल करें पर वे श्री सत्यदेव जी के विरूद्ध भी नहीं जाना चाहती थी। मैंने आंटी को समझाया कि वे परेशान ना हों और सत्यदेव जी जब राजी हों तब ही वे संस्थान के नाम सब करें। मैं फिर उदयपुर आ गई लेकिन रमन आंटी धुन की पक्की थीं उन्होंने सत्यदेव जी को मनाया और उन्हें तारांशु पत्रिका भी बताई और विश्वास दिलाया कि तारा संस्थान वाकई अच्छा काम कर रही है। वे मान गए और उन्होंने बहुत ही सधी भाषा में कागजात बनवाए।

रमन आंटी के पति को शेयर लेने का शौक था और उनसे काफी शेयर उनके पास इकट्ठे हो गए थे। सत्यदेव जी के निर्देशानुसार वे शेयर उन्होंने तारा को ट्रांसफर कर दिए ताकि उनको बेच कर जो राशि मिले उससे रमन आंटी की मृत्यु के बाद उनके घर में वृद्धाश्रम चल सके।

लेकिन सब कुछ इतना आसान नहीं होता है रमन आंटी को कुछ लोगों ने ये कह दिया कि संस्थान वाले आपका पैसा खा जाएंगे तो उन्होंने मुझसे कहा कि मेरे जीते जी ही मेरे घर के ऊपर वाले फ्लोर पर वृद्धाश्रम बना दो। उन्हें विश्वास दिलाने के लिए उनके घर के ऊपर एक मंजिल बनाई गई और उसमें वृद्धाश्रम के उद्घाटन की दिनांक 21 नवम्बर, 2016 तय की गई। मुझे याद है आंटी का चहकना उनकी जीवन्तता और उनके अंदर की खुशी। जब हम उद्घाटन के लिए गए तो उन्होंने

मेडिकल कॉलेज के प्रिंसीपल, पार्षद और न जाने कितने अतिथियों को बुलवाया था। मेहमानों की व्यवस्था, हमारी व्यवस्था सब कुछ उनके निर्देशानुसार हो रहा था। उनका सपना पूरा होने जा रहा था। मुझसे बोली कि लोग कहते थे कि देखना ये संस्थान वाले वृद्धाश्रम नहीं बनाएँगे पर तुमने मेरी बात रख कर उन्हें जवाब दे दिया। लेकिन उद्घाटन में एक कमी रह गई श्री सत्यदेव जी गुप्ता रमन आंटी की विल बनवाने के कुछ महीनों बाद ही गुजर गए थे। वे हमेशा कहते थे कि आप ये कागज बनवा लो, पता नहीं मैं रहूं या ना रहूं। मुझे लगा ही नहीं कि ये सच भी हो सकता है ऐसा लगा मानो ईश्वर ने उन्हें इस अच्छे कार्य के लिए ही जीवित बचा रखा था।

रमन आंटी लगभग 1 वर्ष पूर्व उदयपुर भी आई थी। इस उम्र में उनके चेहरे पर एक तेज था वे खुद से कार भी चला लेती थी और मैंने सुना था कि अंकल के गुजरने के बाद उन्होंने कार चलाना सीखा था। जिस उम्र में पुरूष भी अपने आपको रिटायर मान लें उस उम्र में रमन आंटी का कार चलाना उनके जीवट की निशानी था। अपनी सम्पति से उन्होंने आवश्यकतानुसार रिश्तेदारों, मित्रों का भी सहयोग किया और फिर शेष का सदुपयोग उन्होंने सोचा। वो सोचना और कर जाना भी साहसी सोच और दृढ़ इच्छाशक्ति के बिना असंभव है।

अभी सितम्बर के अंतिम सप्ताह में इलाहाबाद वृद्धाश्रम के केयरटेकर दयाराम जी ने बताया कि आंटी की तबीयत खराब है, उन्हें अस्पताल में दिखाया गया, शुरू में लगा डेंगू है लेकिन बाद में पता लगा उन्हें ब्लड कैंसर हो गया है। समझ में नहीं आ रहा था कि ये कैसे हो गया। मैं इलाहाबाद गई और उन्हें मनाया कि दिल्ली के राजीव गाँधी कैंसर हॉस्पीटल में ले जाये। वे, उनके भांजे भांजी सब दिल्ली आए उनके लिए ग्राउण्ड फ्लोर का कमरा रखा था लेकिन वे बोली कि क्या मैं ऊपर नहीं चढ़ सकती और आराम से दो मंजिल चढ़ गई। लेकिन उसी रात वे बेसुध हो गईं। उन्हें राजीव गाँधी कैंसर हॉस्पीटल ले गए वहाँ कुछ दिन रहने के बाद डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। वापस इलाहाबाद ले गए वहाँ दिनांक 8 अक्टूबर, 2018 को उन्होंने देह त्याग दी। विश्वास ही नहीं हुआ कि एक हँसता खेलता जीवन ऐसे चला गया। रमन आंटी गजब के आत्म विश्वास वाली महिला थी। कभी–कभी बोलने में थोड़ी कड़क लगती थी लेकिन दिल से बहुत ही कोमल थी। अपना सब कुछ दान देकर भी उनका जी नहीं भरा तो जाते जाते देहदान भी कर गई। इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज जहाँ उनकी पार्थिव देह दान की गई उसमें सारे मेडिकल छात्र संफेद एप्रिन पहले उनके सम्मान में सर झुकाए खड़े थे, ऐसे जैसे किसी शहीद सैनिक के सामने उसकी यूनिट खड़ी हो वे सैनिक तो नहीं थी लेकिन साहस का बहुत बड़ा उदाहरण रहीं....

उनकी आत्मा की परम शांति की कामना के साथ।

आदर सहित...

कल्पना गोयल

सार्थक दीपावली

देश का सबसे बड़ा त्योहार है दीपावली, दीपावली का आना ही अपने आप में खुशी भर देता है। बच्चे–बड़े–बूढ़े सभी में उत्साह होता है बच्चे नये कपड़े पहनते हैं पटाखे चलाते हैं बड़े लोगों को व्यापार में वृद्धि या नौकरी में बोनस की आशा होती है। सुख समृद्धि और रोशनी से भरे इस त्योहार के बारे में तो हम सबने वर्णन बचपन से किया है क्योंकि मुझे नहीं लगता कि हम में से कोई भी ऐसे हों जिन्होंने हिन्दी या अंग्रेजी में दीपावली पर निबंध ना लिखा हो। आज यदि आप यही निबंध लिखें तो एक Paragraph और जोड़ सकते हैं कि आपने उन चेहरों पर मुस्कराहट लाई है जिन्होंने मुस्कराना छोड़ दिया था। दीपावली सही अर्थ में आप सब मना रहे हैं जो ऐसी आँखों में रोशनी ला रहे हैं जो हमेशा प्रज्वलित रहेगी, ऐसे बुजुर्गों को घर दे रहे हैं जो अपनों के होते भी बेघर हो गए थे या गौरी की वो महिलाएँ जो पति के बिना निरीह सा जीवन जी रही थी उनके घर में भी थोड़ी ही सही लेकिन खुशी तो आई है। मुझे नहीं पता कि आपके एहसास है या नहीं क्योंकि आप लोग सीधे तारा के Beneficiaries से हमेशा नहीं मिल पाते हैं लेकिन हम लोग जब भी हॉस्पीटल, वृद्धाश्रम या स्कूल जाते हैं तो सबकी नजरों में आशीर्वाद और प्यार दिखता है आप सब के सहयोग से न जाने कितने लोगों के घरों में खुशियाँ आ रही है।

दीपावली पर हमेशा सुख और समृद्धि की शुभकामनाएँ दी जाती है लेकिन आप सब एक सार्थक दीपावली भी मनाते रहे हैं, ईश्वर से प्रार्थना है कि दूसरों को खुशी देकर सुख बटोरने वाले आप सभी दीपों के उत्सव में खूब–खूब खुशियाँ मनायें।

पूरे तारा परिवार की तरफ से दीपावली की शुभकामनाएँ...

दीपेश मित्तल

मंदिर में पुष्प सज्जा करती प्रसन्न आनन्द वृद्धाश्रम वासी महिलाएँ

रंगोली बनाती महिलाएँ

भजन-आरती में भाव विभोर वृद्धजन

भजन-संगीत पर झूमते कुछ आनन्द वृद्धाश्रम वासी

इतिहास विश्वास की नहीं विश्लेषण की वस्तु है।

दीप सज्जा करने निकली महिलाओं की टोली

बड़े-बुजुर्गों से आशीर्वाद लेने का समय

वृद्धजनों द्वारा सजाई रंगोली एवं दीपमाला

वरिष्ठ नागरिक आतिशबाजी का आनन्द लेते हुए

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग) 01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

समय पर वही सवारी कर सकता है जो समय की लगाम पकड़े रहे।

दानदाताओं की वजह से ज़िन्दा हूँ : श्री रामलाल यादव

श्री रामलाल यादव ने अपने बच्चों की गारमेंट फैक्ट्री ठीक से न चलते देख स्वयं की नौकरी छोड़कर सारी जमा पूंजी फैक्ट्री में लगाकर उसे व्यवस्थित चलाने लायक बनाया। लेकिन अब होनी को कौन टाल सकता है। सबसे पहले छोटे पुत्र ने बड़े पुत्र को फैक्ट्री से बाहर कर दिया फिर रामलाल जी को कहा कि घर छोड़ दो – ''कुछ काम–काज नहीं करते हो और बैठे–बैठे खाते हो''। रामलाल जी काटो तो खून नहीं। वह सुबह 4 बजे उठकर सारे घर का कार्य व्यवस्थित करते, फिर फैक्ट्री में हाथ बँटाते लेकिन बेटे को यह सब कहाँ नज़र आता, वे तो उसके लिए एक बोझ ही थे। रामलाल जी टी.वी. पर तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम के कार्यक्रम बड़े चाव से देखा करते थे लेकिन कभी सपने ने भी नहीं सोचा था कि उनका स्वयं पुत्र उन्हें घर से बाहर का रास्ता दिखा देखा। जब पुत्र ने घर छोड़ने को कहा तो एक बारगी लगा कि अब मृत्यु निश्चित है, जाए तो कहाँ जाएँ? भला हो दानदाताओं का जिनके पुण्य से आनन्द वृद्धाश्रम चल रहा है एवं रामलाल जी यहाँ आकर अति प्रसन्न हैं। कहते हैं जैसे स्वर्ग में आ गए हों। कहाँ तो सड़ा गला, खाना जो पुत्र के यहाँ मिलता था और कहाँ आनन्द वृद्धाश्रम का शुद्ध एवं पौष्टिक भोजन। यहाँ आकर रामलाल जी शांति एवं सुख से अपना जीवन गुज़ार रहे हैं। भगवान से प्रार्थना करते हैं कि दानदाताओं का बहुत भला हो जिनकी वज़ह से वह जिन्दा है वरना तो कभी के आत्महत्या कर ली होती।

वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मिति 3500 रु. (एक समय)

तारा नेत्रालय, दिल्ली : विशेष ऑपरेशन मरीज की जुबानी

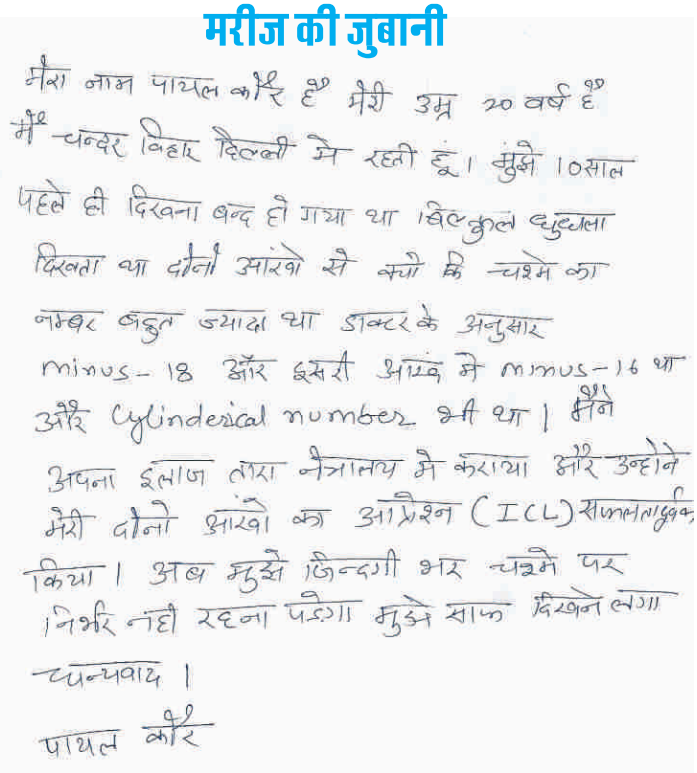

मेरा नाम पायल कौर है मेरी उम्र 20 वर्ष है
मैं चन्दर विहार दिल्ली मे रहती हूं। मुझे 10 साल
पहले ही दिखना बन्द हो गया था बिल्कुल धुंधला
दिखता था दोनों आंखो से क्यो कि चश्मे का
नम्बर बहुत ज्यादा था डाक्टर के अनुसार
minus-18 और दूसरी आंख मे minus-16 था
और cylinderical number भी था। मैंने
अपना इलाज तारा नेत्रालय मे कराया और उन्होने
मेरी दोनो आंखो का आप्रेशन (ICL) सफलतापूर्वक
किया। अब मुझे जिन्दगी भर चश्मे पर
निर्भर नही रहना पड़ेगा मुझे साफ दिखने लगा
धन्यवाद।
पायल कौर

जरूरतमंद ग्रामीणों के मुफ्त मोतियाबिन्द ऑपरेशन : कुछ केस

श्रीमती झमकू (60 वर्ष) : झमकू बाई के पति का स्वर्गवास हो चुका है एवं इनके परिवार में कोई और नहीं होकर ये स्वयं अकेली रहती हैं। इसके एक भी संतान नहीं है। झमकू को पिछले 6 महीनों से एक आँख में दिखाई देना बिल्कुल ही बंद हो गया जबकि दूसरी आँख से धुंधला सा दिखता है। गरीब ग्रामीण झमकू बाई को पता नहीं कि क्या करें? कहीं भी जाँच आदि नहीं करवाई लेकिन किस्मत से किसी ने उन्हें तारा नेत्रालय की राह दिखाई तो यहाँ चली आईं। जाँच में उनकी आँखों में मोतियाबिन्द स्पष्ट दिखाई दे रहा है सो उन्हें तुरंत भर्ती कर ऑपरेशन कर दिया गया – बिल्कुल मुफ्त! श्रीमती झमकू को अब स्पष्ट दिखाई दे रहा है। वह दान दाताओं को दुआ देती है कि भगवान उनका भला करें।

श्रीमती भंवरी बाई : नाथद्वारा निवासी श्रीमती भंवरी बाई (45 वर्ष) के पति एक छोटी सी दुकान पर कार्य करते हैं वे कहते है कि उनकी आय को देखते हुए भंवरी बाई के मोतियाबिन्द का ईलाज तारा नेत्रालय के अलावा कहीं और करवा पाना संभव ही नहीं थी। उनके एक रिश्तेदार ने भी यहीं से ऑपरेशन करवाया था सो उन्होंने ही यहाँ भेजा यह बोलकर कि यहाँ सारा ईलाज एवं रहना खाना सब कुछ निःशुल्क है। वह कहते हैं कि तारा नेत्रालय का बड़ा नाम है एवं लोग दूर–दूर तक इस अस्पताल को जानते हैं। वह स्वयं भी यहाँ के ऑपरेशन से आश्वस्त एवं खुश है कि उनकी पत्नी का अच्छे से इलाज हो गया है। वह तारा संस्थान के बहुत आभारी रहेंगे।

श्रीमती इम्तियाज बेगम : 70 वर्षीया इम्तियाज बेगम डूंगरपुर से तारा नेत्रालय, उदयपुर में मोतियाबिन्द का ऑपरेशन करवाने आई। उनके एक रिश्तेदार ने उनके तारा नेत्रालय, उदयपुर जाने का सुझाव दिया था। श्रीमती बेगम की कहती है कि तीन दिन यहाँ रहकर उसका बिल्कुल मुफ्त ईलाज हो गया है एवं उनका एक नया पैसा खर्च नहीं हुआ। तारा नेत्रालय का आभार जताते हुए श्रीमती इम्तियाज बेगम कहती है कि दान दाताओं को अल्लाह की दुआ लगे।

श्री वीर जी : 60 वर्षीय वीर जी मिट्टी के बर्तन बनाने का कार्य करते थे लेकिन लगभग एक साल पहले काम बंद करना पड़ा क्योंकि उन्हें आँखों से तो बिल्कुल ही नहीं दिखता था सो बड़े परेशान थे। फिर किसी ऐसे रिश्तेदार जिसने स्वयं यहाँ ऑपरेशन करवाया था उसने इन्हें यहाँ तारा नेत्रालय, उदयपुर में भेज दिया। वीर जी स्वयं किसी अन्य अस्पताल का खर्चा उठाने में सक्षम नहीं थे तो रिश्तेदार ने कहा कि तारा नेत्रालय में सारा इलाज बिल्कुल मुफ्त है। तो वे आश्वस्त होकर यहाँ आ गए। अब ऑपरेशन के पश्चात् अत्यन्त प्रसन्न होकर श्री वीर कहते हैं कि उनकी दृष्टि लौटाने हेतु बहुत आभारी है वह अब अपना कार्य पुनः शुरू कर सकेंगे। तारा संस्थान के दान दाताओं के लिए वह कहते है कि भगवान उनको बहुत खुशहाल रखें।

ऑपरेशन पश्चात् काले चश्मों में (बाएँ से : श्रीमती झमकू, श्रीमती भंवरी बाई, श्रीमती इम्तियाज बेगम एवं श्री वीर जी)

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन) 17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

चुनौतियाँ हमें उत्तम अवसर प्रदान करती हैं।

गौरी योजना :

तारा संस्थान की मदद से बहुत राहत है : श्रीमती शांता सालवी

शांता देवी (30 वर्षीया) के पति की 4 वर्ष पहले की पानी में बहने से मृत्यु हो गई उसके पश्चात् वह अपनी 4 बेटियों एवं 1 बेटे के साथ अकेली जीवन से जूझ रही है। सास–ससुर न तो अपने साथ रखते है न ही किसी प्रकार की मदद करते हैं। निकट ही रहते हैं पर कभी बच्चों तक को नहीं पुचकारते हैं। शांता इधर–उधर कुछ घरों में काम करती है एवं कई बार वहाँ का बचा हुआ खाना बच्चों को खिला कर पालन–पोषण कर रही है। बड़ी परेशान रहती है कई बार घर में सामान नहीं होता, बच्चों के लिए कपड़े नहीं होते तो इधर–उधर से मांगकर काम चलाती है। काश कि पति जीवित होते तो बड़ा सहारा होता। बहरहाल तारा संस्थान की गौरी योजना से शांता को काफी मदद मिल रही है।

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)
01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

तृप्ति योजना :

आपकी बदौलत मेरा परिवार जीवित है : श्रीमती देवली बाई

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)
01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

देवली बाई के ऊपर अपनी सास व दो बच्चों की जिम्मेदारी आ पड़ी जब उनके पति की अक्र–स्मात मृत्यु हो गई। इधर– उधर से मांग कर बच्चों को थोड़ा बड़ा किया। कुछ काम मिल जाए तो भी कर लेती है लेकिन काम–काज महीने में 10–15 दिन ही बमुश्किल मिल पाता है। कोई निकटतम रिश्तेदार भी ज्यादा मदद नहीं कर पाते हैं। बेचारी निपट अकेली देवली बाई करें तो क्या करें? तारा संस्थान ने देवली बाई के परिवार की सुध ली एवं चारों सदस्यों के खान–पान का इंतजाम तृप्ति योजना के अन्तर्गत कर के इस अबला की कुछ मदद की है। देवली बाई संस्थान के दान दाताओं का आभार व्यक्त करती हैं जिनकी बदौलत वह और उसका बेसहारा परिवार जीवित रह पा रहा है।

दीपावली की पौराणिक कथाएं

दीपावली भारतीय पर्वों में सबसे प्रमुख पर्व है और वर्तमान में ही नहीं बल्कि युगों से दीपावली का पर्व मनाया जा रहा है, जिसका प्रमाण इन कथाओं में मिलता है। पढ़ें दीपावली से जुड़ी पांच पौराणिक कथाएं:

सतयुग की दीपावली : सर्वप्रथम तो यह दीपावली सतयुग में ही मनाई गई। जब देवता और दानवों ने मिलकर समुद्र मंथन किया तो इस महा अभियान से ही ऐरावत, चंद्रमा, उच्चैश्रवा, परिजात, वारुणी, रंभा आदि 14 रत्नों के साथ हलाहल विष भी निकला और अमृत घट लिए धन्वंतरि भी प्रकटे। इसी से तो स्वास्थ्य के आदिदेव धन्वंतरि की जयंती से दीपोत्सव का महापर्व आरंभ होता है कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी अर्थात धनतेरस को। तत्पश्चात इसी महामंथन से देवी महालक्ष्मी जन्मीं और सारे देवताओं द्वारा उनके स्वागत में प्रथम दीपावली मनाई गई।

त्रेतायुग की दीपावली : त्रेतायुग भगवान श्रीराम के नाम से अधिक पहचाना जाता है। महाबलशाली राक्षसेन्द्र रावण को पराजित कर 14 वर्ष वनवास में बिताकर राम के अयोध्या आगमन पर सारी नगरी दीपमालिकाओं से सजाई गई और यह पर्व अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक दीप–पर्व बन गया।

द्वापर युग की दीपावली : द्वापर युग श्रीकृष्ण का लीलायुग रहा और दीपावली में दो महत्त्वपूर्ण आयाम जुड़ गए। पहली घटना कृष्ण के बचपन की है। इंद्र पूजा का विरोध कर गोवर्धन पूजा का क्रांतिकारी निर्णय क्रियान्वित कर श्रीकृष्ण ने स्थानीय प्राकृतिक संपदा के प्रति सामाजिक चेतना का शंखनाद किया और गोवर्धन पूजा के रूप में अन्नकूट की परंपरा बनी। कूट का अर्थ है पहाड़, अन्नकूट अर्थात् भोज्य पदार्थों का पहाड़ जैसा ढेर अर्थात् उनकी प्रचुरता से उपलब्धता।

वैसे भी कृष्ण–बलराम कृषि के देवता हैं। उनकी चलाई गई अन्नकूट परंपरा आज भी दीपावली उत्सव का अंग है। यह पर्व प्रायः दीपावली के दूसरे दिन प्रतिपदा को मनाया जाता है।

दूसरी घटना कृष्ण के विवाहोपरांत की है। नरकासुर नामक राक्षस का वध एवं अपनी प्रिया सत्यभामा के लिए पारिजात वृक्ष लाने की घटना दीपोत्सव के एक दिन पूर्व अर्थात रूप चतुर्दशी से जुड़ी है। इसी से इसे नरक चतुर्दशी भी कहा जाता है। अमावस्या के तीसरे दिन भाईदूज को इन्हीं श्रीकृष्ण ने अपनी बहिन द्रौपदी के आमंत्रण पर भोजन करना स्वीकार किया और बहन ने भाई से पूछा– क्या बनाऊं? क्या जीमोगे? तो जानते हो, कृष्ण ने मुस्कराकर कहा– बहन कल ही अन्नकूट में ढेरों पकवान खा–खाकर पेट भारी हो चला है इसलिए आज तो मैं खाऊंगा केवल खिचड़ी। हां, क्यों न हो, सारे संसार के स्वामी ने यही तो संदेश दिया था कि– तृप्ति भोजन से नहीं, भावों से होती है। प्रेम पकवान से कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण है।

कलियुग की दीपावली : वर्तमान कलियुग दीपावली को स्वामी रामतीर्थ और स्वामी दयानंद के निर्वाण के साथ भी जोड़ता है। भारतीय ज्ञान और मनीषा के दैदीप्यमान अमरदीपों के रूप में स्मरण कर इनके पूर्व त्रिशलानंदन महावीर ने भी तो इसी पर्व को चुना था अपनी आत्मज्योति के परम ज्योति से महामिलन के लिए। जिनकी दिव्य आभा आज भी संसार को आलोकित किए है प्रेम, अहिंसा और संयम के अद्‌भुत प्रतिमान के रूप में।

गलतियां तो सभी करते हैं, सिर्फ मूर्ख ही उन्हें दोहराते हैं।

न्यूज ब्रीफ – 1 :

01.10.2018

1 अक्टूबर, 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस–2018 के अवसर पर जिला विधिक प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा आनंद वृद्धाश्रम में विधिक साक्षरता शिविर लगाया गया तथा तारा नेत्रालय ने उनके स्वास्थ्य की जांच की। इसी अवसर पर माउंट लिटरा जी स्कुल, उदयपुर के नन्हे–मुन्नों ने गीत संगीत एवं नृत्य द्वारा वृद्धों का मन मोह लिया एवं उनका सम्मान किया।

06.10.2018

6 अक्टूबर, 2018 को आनंद वृद्धाश्रम में वरिष्ठ नागरिकों की दंत जांच और इलाज शिविर आर.आर. डेंटल कॉलेज और अस्पताल, उदयपुर द्वारा आयोजित किया गया।

11.10.2018

11 अक्टूबर, 2018 को शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर प्रताप गौरव केंद्र व फ़तेह सागर के भ्रमण पर

13.10.2018

13 अक्टूबर, 2018 को कॉलेज के कुछ मित्रों ने आनंद वृद्धाश्रम में गरबे का आयोजन करवाया।

15.10.2018

15 अक्टूबर, 2018 को शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल उदयपुर में डांडिया रास सोत्साह खेला गया।

27.10.2018

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर में दीपावली महोत्सव : दीपावली महोत्सव के अंतर्गत स्कूल के विद्यार्थीओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे फेंसी ड्रेस, रंगोली सजाना व मेहंदी प्रतियोगिताओं में बढ़–चढ़ कर भाग लिया जिसके विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। अंत में बच्चों ने आतिशबाजी का आनंद उठाया।

विनम्र अपील :

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद) जरूरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

Auto Kerato Refractometer
ऑटो केराटो रिफ्रैक्ट्रोमीटर

मरीजों के चश्मे के व आँख में लगने वाले लेन्स के नम्बर निकालने के काम आता है।

कीमत रु. **2,00,000/-**

(दो लाख रुपये)

Slit Lamp स्लिट लैंप

इसकी सहायता से नेत्र जाँच की जाती है। यह उपकरण आँख के अग्र भाग की जाँच के लिए बहुत उपयोगी है।

कीमत रु. **78,400/-**

(अठहत्तर हजार चार सौ रुपये)

Ophthalmic Refraction Unit
ओफ्थाल्मिक रिफ्रक्शन यूनिट

इस यूनिट के चेयर पर बैठाकर मरीजों की आँखों की जाँच व चश्मे के नम्बर निकाले जाते हैं।

कीमत रु. **1,17,600/-**

(एक लाख सत्रह हजार छः सौ रुपये)

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु.	09 ऑपरेशन - 27000 रु.	06 ऑपेरशन - 18000 रु.
03 ऑपरेशन - 9000 रु.	01 ऑपरेशन - 3000 रु.	

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

विगत लगभग 4 वर्षों से आनंद वृद्धाश्रम में निवास कर रहे श्री जगजीवन प्रसाद जी की लगभग 85 वर्ष की आयु में 17 अक्टूबर, 2018 को देहांत हो गया। तारा संस्थान के ओर भावपूर्ण श्रद्धांजलि। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।

2 अक्टूबर, 2018 को दिल्ली में आयोजित नेत्र शिविर की एक झलक :

सुधार की शुरूआत अपने से ही होनी चाहिए।

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

दानदाताओं के सौजन्य से माह अक्टूबर – 2018 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में आयोजित शिविर :

सौजन्यकर्त्ता : श्री राजेन्द्र कुमार जैन – जयपुर, श्रीमती अनिता सर्राफ – दिल्ली 85

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर :

रिलीफ एवं बिल्ड एशिया फाउण्डेशन – दिल्ली, वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब – दिल्ली, रोटरी क्लब – दिल्ली, श्रीमती सुषमा – श्री सत्यभूषण जैन – दिल्ली, श्री गोकुलम् – दिल्ली 35, आइडियाज टू इम्पैक्ट फाउण्डेशन – दिल्ली, श्रीमती प्रेम निझावन – जनकपुरी, दिल्ली, श्री दिगम्बर जैन समाज समिति – सुर्या नगर, गाजियाबाद, ट्रिनिटी इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज – दिल्ली, वर्धमान प्लाजा – दिल्ली

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर :

स्थान : सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गजियाबाद (उ.प्र.)

चौक वाली चौपाल, ग्राम बसी बागपत (उ.प्र.)

श्री हनुमान मंदिर घंटाघर, गाजियाबाद (निकट पंजाब नेशनल बैंक)

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं। मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया : कुल 25 शिविर (देशभर में)

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करुणा - सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) .... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में ....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये .... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर ....

दिनांक .... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) .... पिता (नाम) ....

निवास पता ....

लेण्ड मार्क .... जिला .... पिन कोड .... राज्य ....

फोन नम्बर घर / ऑफिस .... मो.नं. .... ई–मेल ....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान – सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

Thanks : NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Raghunath Prasad -
Mrs. Dropadi Devi Sonthalia, Kolkata

Mr. Bal Kishan - Mrs. Veena Balasaria
Hyderabad

Mrs. & Mr. Adaram Dhula Bhatia
Boriwali (E), Mumbai

Mr. Nagraj - Mrs. Asha Devi Soni
Jodhpur (Raj.)

Mr. Baijnath - Mrs. Prem Lata Gupta
Ludhiana (PB)

Mr. Deepak - Mrs. Reena Suhalka
Udaipur (Raj.)

Mr. Chirag & Mr. Naman
Ropar (PB)

Mr. Mahaveer Singh - Mrs. Gulab Kunwar
Shekhawat, Bhandup (W), Mumbai

Mr. Darshan Lal - Mrs. Sunita Devi
Jodhpur (Raj.)

Mr. Rajkumar - Mrs. Renu Mantri
Mumbai

Mr. J.J. - Mrs. Bina Vora
Andheri, Mumbai

Mr. Subhash Chand Goyal
Ghaziabad (UP)

Mr. Harish Verma
Khurja (UP)

Mr. Rathore
Mumbai

Mrs. Tripta Chopra
Ludhiana (PB)

Mr. Bansraj Jaiswal
West Bengal

Mr. Hira Lal Jain
Ludhiana (PB)

Mrs. Sudesh Jain
Ludhiana (PB)

Dr. Krishnanand - Mrs Sunita Tripathi
Bhandup East, Mumbai

Miss. Ishanvi Tripathi
Bhandup East

Mr. Ishan Tripathi
Bhandup East

Mr. Abhishek Rathore
Mumbai

Mr. Ritesh - Mrs. Shruti Mantri
Mumbai

Miss Suhani Mantri
Mumbai

Mr. Rachit Mantri
Mumbai

Lt. Mr. Shankar Lal Shah
Ujjain (MP)

Mr. Rajeev Chopra
Ludhiana (PB)

Lt. Mr. Suvalal Navalram
Dak, Surat (Guj.)

Baby Khayna Jain
Panchkula (HR)

Mr. Krishan Dev Sharma
Una (HP)

Mr. Arpit Sharma
Una (HP)

Mrs. Sushila Dev Mathur
Jaipur (Raj.)

Mrs. Saroj Garg
Kamla Nagar, Delhi -07

Mrs. Memo Devi
Delhi

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

श्रीमती एवं श्री वेद प्रकाश निझावन, अम्बाला केन्ट (हरि.)

श्री सत्यनारायण जी - श्रीमती शशिकला जी, हैदराबाद

श्री शिवकुमार बंसल - श्रीमती रामदुलारी बंसल, हैदराबाद

श्री एवं श्रीमती लिपिका भद्रा ,
भिलाई, दुर्ग (छ.ग.)

श्री सुनील बंसल
पंचकुला (हरि.)

श्रीमती कमलेश मेहता
पंचकुला (हरि.)

श्री जगन्नाथ प्रसाद अग्रवाल
भिलाई, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीमती मुन्नी देवी पूनिया
दिल्ली

सभ्यता चरित्र का वह रूप है जो मनुष्य को कर्तव्य का मार्ग दर्शाता है।

AREA SPECIFIC TARA SADHAK

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Sunil Sharma
Area Mumbai
Cell : 07821855752

Santosh Sharma
Area Chennai
Cell : 07821855751

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner & Nagpur
Cell : 07821855740

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

'TARA' CENTRE - INCHARGE

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (UP)
Cell : 09412287735

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101
Cell : 09029643708

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136
08821825087

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNT

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965 ..... IFSC Code : icic0000045
State Bank of India ..... A/c No. 31840870750..... IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank ..... A/c No. 1166104000009645 . IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank ..... A/c No. 912010025408491 .. IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank..... A/c No. 12731450000426.... IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank ..... A/c No. 0169101056462 ..... IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India... A/c No. 3309973967 ..... IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank .. A/c No. 8743000100004834 . IFSC Code : punb0874300
Yes Bank ..... A/c No. 065194600000284 .. IFSC Code : yesb0000651

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

TARA NETRALAYA - Delhi

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. : +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai

Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post, Meera Road,
Thane - 401107 (Maharashtra),
Phone No. 022-28480001, +91 7821855753

TARA NETRALAYA - Faridabad

Bhatia Sewak Samaj (Regd.),
N.H. - 2, Block - D, N.I.T.,
Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

ANAND VRUDHASHRAM - Udaipur

#344/345, Hiran Magri, (In the lane of
Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 8875721616

RAVINDRA NATH GAUR ANAND VRUDHASHRAM - Allahabad

25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town,
Allahabad - 211022 (U.P.)
Ph. No. (0532) 2465035

OM DEEP ANAND VRUDHASHRAM - Faridabad

866, Sec - 15A,
Faridabad - 121007 (Haryana)
Mob. +91 7821855758

SHIKHAR BHARGAVA PUBLIC SCHOOL - Udaipur

H.O. Bypass Road, Gokul Village,
Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. +91 7229995399

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, नवम्बर - 2018
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर

समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा	वृद्धाश्रम बुजुर्गों
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)	हेतु भोजन मित्ति
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	3500 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	(एक समय)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	

1,50,000 रु. संचित निधि में जमा करवा कर आप एक विधवा महिला को आजीवन 1000 रु. प्रति माह सहयोग कर पाएँगे

सहयोग राशि

आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय
चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
SBI A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166	PNB Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097	YES Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : yesb0000651
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273		

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' रात्रि 8:20 से 8:40 बजे

'आस्था भजन' प्रातः 8:40 से 9:00 बजे

'आस्था' रविवार दोपहर 2:30 बजे

बुक पोस्ट

Tara
तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org